28/03/2021

कड़नावा से फूलासर फिल्मी 75+75 = 150

Anand
DATE
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं. 10 दिनांक 28/03/2021
ट्रेक नं. 15 स्थान फूलासर
ट्रेक समयावधि

कलाकार का नाम → माले खां (गायन / वादन)
पिता का नाम निम्बे खां पता → गांव फूलासर ~~ते. फलोदी~~
सहायक कलाकार - ते. पोकरण जिला ~~जोधपुर~~ जैसलमेर
झामत खां (गायन /वादन)

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय → कथा + गाथा - ~~भाव~~ नागजी
विशेष विवरण —

यह कथा नागजी के जीवन पर आधारित है बात उस समय की है जब नागजी के पिता ढोलदेव वाले के यहा अकाल पड़ जाता है तो वह सपरिवार अहिर देव ला वाले के यहा आ जाते है। उनके एक पुत्री होती है नगमती एक बार नगमती और नाग जी की भाभी दोनो पानी के तलाव पर जाती है और वहा नाग जी के शरीर से उछले गुलाबी छींटे देखती है तो वह ~~स~~ नागजी के भाभी से पूछती है ये किसके ~~निह~~ निशान है।

तो भाभी कहती है ये मेरे देवर के शरीर से पड़े छींटे है। तो नगमती उसे देखने के लिए इच्छुक हो जाती है नागजी जो कि माले में रहते है और ये भी वहा जाती और और उससे मुलाकात करती है। एक दो मुलाकात के बाद दोनो में प्रेम हो जाता है। और इस बात की खबर पुरे गांव में फैल जाता है।

अब दोनों एक दूसरे के बिना नहीं रेह पाते है उन दोनो मे इतना प्रेम हो जाता है। एक बार नागजी रात के समय मे नगमती के कमरे मे जाते है। तो नीचे बेठे दोनो (अहिर देववाला - और धवलदेव वाला) चोपड़ पासा खेलते हुए देख लेते है। तो धवलदेव वाला अपने बेटे को मारने के लिए जाता है तो नगमती के पिता बोलते है अगर तुम मारना चाहते हो तो इसे मत मारो इस किशोर का कोई कसूर नहीं है। तुम मेरी बेटी को भी साथ मे ही मारना, फिर धवलदेव नाग पर वार करता है तो वह चूक जाता है, और नाग जी बच निकलता है।

इस तरह नागजी और नगमती के प्रेम की बात बहुत आगे बड़ जाती है तो नगमती के पिता उनका विवाह किसी और के साथ तय कर दिया जाता है, इस बात की खबर नाग जी को भी चल जाती है। तो नगमती नागजी से केहती है मैं पहले आप के पास आऊगी फिर अपने पति के पास जाऊगी। तो शादी वाले दिन, नाग जी एक मन्दिर मे उनका बहुत देर तक इन्तजार करते है पर वह नहीं आती है तो नाग जी अपने माल अभाते (खेत मे बना एक झोपड़ा) जा कर आत्माहत्या कर लेता है।

इतने मे नगमती वहा से फ्री होकर आती है मन्दिर जाती है पंडित से पूछती है तो पण्डितजी केहते है अभी तो एक आदमी यही था अब पता नहीं कहा गया और उसे पता चल जाता है कि वह अपने माल मे गया है और वह जाकर देखती है तो नागजी वहा मरे हुए पड़े और कुछ समय बाद कुछ आदमी आते है और नगमती को ले जाते है, बरात रवानगी समय नगमती केहती कि मुझे इसी रास्ते से आप ले कर जाना।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

तो वह कहते है ठीक है हम तुम्हे यहा से ले जायेगे उस रास्ते में नागनी की अर्थी रखी हुई होती है। जैसे ही नगमती की डोली उस चलती हुई अर्थी के पास पहुंचती है नगमती उसमे कूद जाती है और अपने आप को नागनी के साथ खत्म करना चाहती है। उसके आग में कूदने के बाद सारे बराती अपने-अपने घर चले जाते है, नगमती आधी चलने के बाद बारिश आ जाती है। और वह आधी चली हुई रह जाती है।

इतने में शिव पार्वती वहां पहुंच जाते है। (चकवा-चकवी) और उन दोनों को नया जीवन देते है। इस तरह उन दोनों का जोड़ा अमर रह जाता है।